श्री उत्पल कुमार सिंह, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा दिनांक 28.10.2017 को श्री केदारनाथ धाम क्षेत्र में गतिमान पुनर्निर्माण कार्यो एवं श्री केदारनाथ से भीमबली तक पैदल यात्रा मार्ग की भ्रमण/स्थलीय निरीक्षण आख्या

दिनांक 28.10.2017 को मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा प्रमुख सचिव सिंचाई, सचिव पर्यटन, जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग, पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग, मुख्य अभियंता सिंचाई, मुख्य अभियंता लो0नि0वि0, अधीक्षण अभियंता सिंचाई, अधीक्षण अभियंता लो0नि0वि0, एन.आई.एम. तथा जे0एस0डब्लू ग्रुप के प्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में श्री केदारनाथ धाम में गतिमान आपदा पुनर्निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करने के उपरान्त समस्त अधिकारियों के साथ केदारनाथ से भीमबली तक पैदल यात्रा मार्ग का स्थलीय भ्रमण करते हुए गहनता से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरांत विस्तृत विचार–विमर्श कर श्री केदारनाथ पुनर्निर्माण हेतु निम्न निर्देश दिये गये :–

1– श्री केदारनाथ के पुनर्निर्माण कार्यो हेतु मत स्थिर हुआ कि कार्यों को अलग–अलग क्षेत्र से कराये जाने के बजाए पूरे क्षेत्र हेतु एक पुनर्निर्माण का अनुमोदन एक साथ ही प्राप्त कर लिया जाए एवं विभिन्न चरणों में इन कार्यों को सम्पादित करा लिया जाए। इस संबंध में पर्यटन विभाग को निर्देशित किया गया कि वह JSW ग्रुप के architect के साथ कार्य कर शीघ्र कार्य योजना तैयार करना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–सचिव पर्यटन विभाग एवं /JSW ग्रुप)

2– मुख्य सचिव महोदय द्वारा केदारनाथ मंदिर के पीछे के क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। इस क्षेत्र में बड़े–बड़े बोल्डर्स एवं मलवा पाया गया। इस संबंध में मुख्य सचिव महोदय द्वारा सुझाव दिया गया कि इस मलवे एवं बोल्डर्स को हटाकर सुव्यवस्थित रूप से रखा जाए JSW ग्रुप के architect श्री नकुल शाह द्वारा अवगत कराया गया कि केदारनाथ मंदिर के पीछे पार्क का निर्माण पुर्ननिर्माण कार्यों का ही भाग है, जिसे मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा भी कराये जाने की अपेक्षा की गई है। मुख्य सचिव महोदय द्वारा पुनः कहा गया कि इसे एक बुग्याल की भांति विकसित किया जाए ताकि तीर्थ यात्री यहां बैठ सकें एवं मंदिर के भव्य दृश्य का आनन्द उठा सकें। इस क्षेत्र की land scaping अनुभवी architect के माध्यम से कराई जाए। इस संबंध में मुख्य सचिव महोदय द्वारा मुख्य अभियंता, लो0नि0वि0 को निर्देशित किया गया गया कि एक सप्ताह अन्तर्गत उक्त कार्य की DPR तैयार करवाना सुनिश्चित करें। साथ ही NIM को निर्देशित किया गया कि आगामी यात्रा से पूर्व उक्त कार्य को पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/प्रमुख अभियंता लो0नि0वि0 /प्रधानाचार्य NIM)

3– मुख्य सचिव महोदय द्वारा केदारनाथ मंदिर परिसर का निरीक्षण किया गया। मा0 प्रधानमंत्री जी को दिनांक 27.10.2017 को दिये गये प्रस्तुतीकरण में उनके द्वारा यह अपेक्षा की गई थी कि केदारनाथ मंदिर के परिसर को यथासंभव विकसित किया जाए। मुख्य सचिव महोदय द्वारा केदारनाथ मंदिर परिसर के निरीक्षण के दौरान यह देखा गया कि परिसर के आगे खाली जगह है, जिसे सरकार द्वारा अधिगृहीत किया गया है जिससे मंदिर के चबूतरे/परिसर को 40 से 45 फिट तक आगे बढ़ाया जा सकता है। मंदिर के दांये भाग पर काफी भूमि खाली पड़ी हुई पायी गई, जिसे मंदिर के परिसर के विस्तारीकरण के रूप में भी उपयोग में लाया जा सकता है।

इसी प्रकार मंदिर के बांयी तरफ बदरी–केदार मंदिर समिति का जूते–चप्पल उतारने हेतु छोटा भवन स्थापित है। मुख्य सचिव महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि इसी भवन के बगल में बदरी–केदार मंदिर समिति की भोगशाला (भगवान का प्रसाद बनाने के लिये भवन) का निर्माण किया जा रहा है। मुख्य सचिव महोदय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि जूता–चप्पल उतारने हेतु बनाये गये भवन को ध्वस्त करते हुए निर्माण कार्य को रोका जाए एवं बांयी ओर भी मंदिर परिसर का यथा संभव विस्तार किया जाए। मंदिर परिसर के आगे एक घर काफी आगे बढ़ाया हुआ है। इस संबंध में मुख्य सचिव महोदय द्वारा पृच्छा करने पर जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग द्वारा अवगत कराया गया कि यह भवन अभी acquire नही किया गया है। मा0 प्रधानमंत्री जी की अपेक्षानुसार यदि मंदिर के भव्य दृश्य को बनाये रखना है तो मंदिर के आगे दृश्य अक्ष को पूर्ण रूप से खाली रखा जाना अति आवश्यक है। अतः जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग को निर्देशित किया गया कि architect के माध्यम से एक सप्ताह अन्तर्गत पूरे क्षेत्र का सर्वेक्षण कर यह निर्धारित कर लें कि मा0 प्रधानमंत्री जी की अपेक्षानुसार दृश्य अक्ष को खुला बनाने के लिये किन–किन भवनों को ध्वस्त करने की आवश्यकता पड़ेगी। JSW ग्रुप के प्रतिनिधि श्री शाह को एक सप्ताह के अन्दर इस संबंध में जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग को अवगत करायेंगे एवं जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करते हुए संबंधित भवन स्वामियों से नेगोशियेशन/acquistion कर लें एवं आगामी यात्रा से पूर्व मा0 प्रधानमंत्री जी की अपेक्षानुसार मंदिर के दृश्य अक्ष को यथासंभव खुला रखने हेतु कार्यवाही करें। मुख्य सचिव महोदय द्वारा मुख्य अभियंता, लो0नि0वि0 को निर्देशित किया गया कि JSW ग्रुप के प्रतिनिधि श्री शाह से विस्तार में चर्चा कर DPR तैयार करें एवं परिसर के विस्तारीकरण एवं पहुंच मार्ग के सौन्दर्यीकरण का कार्य भी आगामी यात्रा से पूर्व पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/मुख्य अभियंता लो0नि0वि0 /प्रधानाचार्य NIM /पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग/श्री निकुल शाह, प्रतिनिधि JSW ग्रुप)

4– मुख्य सचिव महोदय द्वारा श्री केदारनाथ धाम में निर्मित Three tier protection wall के निरीक्षण के दौरान सुझाव दिया गया कि RCC दीवार का इस प्रकार निर्माण किया